पाठ 9: प्रेम से प्रेरित सेवकाई

क. परमेश्वर में सांत्वना पाना और दूसरों को सांत्वना देना

1. 2 कुरिन्थियों 1:1–7 — पौलुस की कुरिन्थुस के मसीहियों के नाम दूसरी पत्री के आरम्भ में कौन-सा शब्द बार-बार दोहराया गया है?
2. कुरिन्थुस के मसीहियों के लिए सांत्वना का सन्देश क्यों उत्साहवर्धक था?
3. परमेश्वर से प्राप्त सांत्वना के विषय में पौलुस ने कौन-सी गवाही दी? (2 कुरिन्थियों 1:8–11)
4. उस समय को साझा कीजिए जब आपको सब प्रकार की शान्ति और सांत्वना के परमेश्वर से सांत्वना मिली।
5. यीशु की सेवकाई की कोई ऐसी घटना बताइए, जब उसने आवश्यकता के समय किसी को सांत्वना दी।
6. उस अवसर को साझा कीजिए जब आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति को सांत्वना देने का अवसर मिला।

ख. सरलता और परमेश्वर-जनित निष्कपटता के साथ दूसरों की सेवा करना

1. 2 कुरिन्थियों 1:12–14 — पौलुस को कुरिन्थुस के विश्वासियों के सामने अपनी सेवकाई का बचाव करने की आवश्यकता क्यों पड़ी? (2 कुरिन्थियों 2:17; 4:2 भी देखें।)
2. बाइबल में किसी ऐसे व्यक्ति का उदाहरण साझा कीजिए जिसने सरलता और परमेश्वर-जनित निष्कपटता के साथ दूसरों की सेवा की हो। (जैसे—दोरकास, बरनबास आदि।)
3. जब हम दूसरों की सेवा करते हैं, तो हम कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि हमारी प्रेरणाएँ शुद्ध हों? (भजन संहिता 139:1–3, 23–24)
4. यदि आपकी सेवा के पीछे अनुचित उद्देश्यों का आरोप लगाया जाए, तो आपकी उचित प्रतिक्रिया क्या होनी चाहिए?

ग. प्रेम में सत्य बोलना

1. 2 कुरिन्थियों 2:1–4 — कुरिन्थुस के विश्वासियों को पत्र लिखते समय पौलुस का दृष्टिकोण और उद्देश्य क्या था?
2. पौलुस के पत्राचार का कुरिन्थुस के मसीहियों पर क्या प्रभाव पड़ा? (2 कुरिन्थियों 7:8–12)
3. बाइबल में किसी ऐसे भविष्यद्वक्ता का उदाहरण साझा कीजिए जिसे ताड़ना या सुधार का सन्देश देना पड़ा हो। (जैसे—नाथान, एलिय्याह, पौलुस आदि।)
4. विशेषकर जब ताड़ना या सुधार का सन्देश देना हो, तब प्रेम में सत्य बोलना क्यों आवश्यक है? (2 कुरिन्थियों 2:5–8; इफिसियों 4:15; कुलुस्सियों 4:6)
5. यीशु की सेवकाई से कोई ऐसा उदाहरण साझा कीजिए, जहाँ उसने ताड़ना या सुधार का सन्देश दिया, परन्तु प्रेम में सत्य बोला। (यूहन्ना 8:10–11; लूका 10:41–42 आदि।)
6. आप कैसे निश्चित कर सकते हैं कि परमेश्वर चाहता है कि आप किसी को ताड़ना या सुधार का सन्देश दें? कब बोलने का समय होता है, और कब मौन रहकर केवल प्रार्थना करने का समय होता है? (याकूब 1:5; भजन संहिता 32:8 आदि।)
7. उस अवसर को साझा कीजिए जब परमेश्वर ने किसी को आपको ताड़ना या सुधार का सन्देश देने के लिए प्रेरित किया। आपने उस समय कैसी प्रतिक्रिया दी?